माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हाई स्कूल परीक्षा 2009

केन्द्र क्रमांक की सील: केन्द्र क्र.- 301018

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 3 0 0 परीक्षा का विषय सा. विज्ञान
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 07.03.09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: T-1035, सेट: A

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

सरल क्रमांक

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	3	5	1	9	0	0	9

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

		तीन	पाँच	एक	नौ	शून्य		

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 09 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम H.K. Dan पद Teacher

पता / संस्था G.h.s.s. Waidhan

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

1
2
3

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्ति... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किर... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान हैं एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 9620446

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक..........

हस्ताक्षर

दिनांक 9620320 31.3.09

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ

खण्ड - अ

प्रश्न क्रमांक - 01

(अ) पेरियार → (3) केरल
(ब) दचिगाम → (1) जम्मू कश्मीर
(स) कार्बेट → (2) उत्तराखण्ड
(द) वस्त्र उद्योग → (5) अहमदाबाद
डी॰ डी॰ 1 एवं डी॰ डी॰ 2 → (4) दिल्ली

प्रश्न क्रमांक - 02

(अ) हरित क्रांति का संबंध फसल- उत्पादन से है।
(ब) भारत में सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित राज्य पश्चिम बंगाल है।
(स) नाना साहब का निवास बिठूर में था।
~~1942 में केबिनेट मिशन भारत~~
(द) 1942 में क्रिप्स मिशन भारत आया।
जय हिन्द का नारा आजाद हिन्द फौज (सुभाषचंद्र बोस) ने दिया

प्रश्न क्रमांक - 03

(1) सत्य (✓)
(2) सत्य (✓)
(3) असत्य (X)
(4) सत्य (✓)
(5) सत्य (✓)

SEMP

प्रश्न क्रमांक - 04

(अ) राज्य सभा की सदस्य संख्या है :-
उत्तर:- (iii) 250
(ब) राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए न्यूनतम आयु सीमा है :-
उत्तर. (ii) 35 वर्ष
(स) सेवा क्षेत्र रोजगार प्रदान करता है :-
उत्तर:- (iii) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से
(द) कृषि क्षेत्र सम्मिलित है :-
R उत्तर: (i) प्राथमिक क्षेत्र में
प्राचीन काल में भारत को कहा जाता था :-
सोने की चिड़िया।

प्रश्न क्रमांक - 05

P
(अ) 102.7 करोड़
(ब) दूसरा स्थान
(स) तृतीयक या सेवा क्षेत्र
4 (द) स्वतंत्रता के पश्चात
(इ) सन् 1954 में

खण्ड - ब

प्रश्न क्रमांक - 06

लौह इस्पात उद्योग :- आधारभूत उद्योग

- लौह इस्पात उद्योग आज के भौतिक सभ्यता की रीढ़ ही नहीं बल्कि प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकता है
- इसमें शुद्ध लोहे तथा इस्पात का उत्पादन किया जाता है जो प्रत्येक उद्योग के निर्माण एवं संचालन के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण वस्तु है।
- मनुष्य के काम मे आने वाली छोटी से छोटी वस्तु (उदा:- सुई, पिन, चाकू आदि) से लेकर बड़ी से बड़ी वस्तु (यातायात वाहन, अस्त्र-शस्त्र, फर्नीचर आदि) का निर्माण लोहे एवं स्टील से ही किया जाता है
- भवन, कारखानों, वस्त्रों, पुल, चिकित्सा उपकरण आदि के निर्माण मे भी इसकी आवश्यकता होती है
- अत: लौह-इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योग कहलाता है, जिस पर देश का आर्थिक विकास निर्भर करता है

BS
MP
4

प्रश्न क्रमांक - 07

इण्टरनेट से तात्पर्य :-

- इन्टरनेट 'इन्टरनेशनल नेटवर्क' का संक्षिप्त नाम है यह एक विश्वव्यापी कम्प्यूटर नेटवर्क है
- इसके द्वारा व्यक्ति घर बैठे ही विश्व की प्रत्येक घटना को देख सकता है और संपर्क स्थापित कर सकता है

6

विश्वभर के करोड़ों कम्प्यूटर सूचना केन्द्रों से सूचनाएँ एवं आँकड़े सरलता से अपनी भाषा में प्राप्त की जा सकती हैं।

ई-मेल, वेबसाइट, ई-कामर्स आदि हेतु सर्वाधिक प्रयुक्त भारत का इन्टरनेट सेवा में विश्व में चतुर्थ स्थान है। देश के 50 प्रतिशत लोगों तक इसकी पहुँच है।

प्रश्न क्रमांक - 08

आपदाओं से तात्पर्य :-

- आपदा एक मानवजनित या प्राकृतिक संकट है, जिससे निश्चित क्षेत्र में आजीविका एवं सम्पत्ति की बड़े पैमाने पर हानि होती है तथा जिसकी परिणति मानवीय वेदनाओं एवं कष्टों के रूप में होती है।
- आपदाएँ समाज की सामान्य कार्यप्रणाली को बाधित करती है।
- ये समुदाय को प्रभावित करती है तथा इसमें बाहरी सहायता की आवश्यकता पड़ती है।

आपदाएँ बढ़ती हुई जनसंख्या एवं भोगवादी अर्थव्यवस्था का प्रकृति से अनावश्यक हस्तक्षेप का परिणाम है।

सभी आपदाओं के विशिष्ट प्रभाव होते हैं।

- उदाहरण :- सूखा, बाढ़, भूकम्प, सुनामी, आणविक-जैविक-रसायनिक आपदा आदि।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग 4

प्रश्न क्रमांक - 09

1857 की क्रांति के राजनीतिक कारण :-

(i) अंग्रेजों की साम्राज्य विस्तार नीति से भारतीय शासकों सरदारों की असंतुष्टि।

(ii) अंग्रेजों की विलय नीति तथा लार्ड वेलेजली की सहायक संधि व्यवस्था के कारण झांसी, सतारा, जैतपुर पंजाब सिक्किम राज्यों का जबरदस्ती अंग्रेजी साम्राज्य में विलय किया जाना।

(iii) सरकार ने कर्नाटक, अवध, तंजौर के नवाबों की राजकीय उपाधियाँ समाप्त कर राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न कर दी।

(iv) अंतिम मुगल बादशाहों के साथ अंग्रेजों का अभद्रपूर्ण व्यवहार किया जाना।

शासित प्रदेशों जन-शोषण तथा भू-स्वामियों, जमींदारों आदि की जमीनें छीन लेना।

BSE M

4

प्रश्न क्रमांक - 10

भारत - चीन युद्ध के परिणाम :-

(i) भारत एवं चीन के संबंध तनावपूर्ण हो गए।

(ii) भारतीय भू-भाग का एक बड़ा क्षेत्र चीन के कब्जे में चला गया।

(iii) भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि तथा गुटनिरपेक्षता की नीति आहत हुई।

योग पू० २ -

भारतीय विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर यथार्थवाद एवं व्यवहारिकता को स्थान मिला।

प्रश्न क्रमांक - 11

जिला पंचायत के कार्य :—

(i) जिले की सभी जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों पर नियंत्रण रखते हुए उनके मध्य समन्वय स्थापित करना तथा मार्ग दर्शन करना।

(ii) जनपद पंचायतों की योजनाओं को समन्वित करना।

(iii) जिले की ऐसी योजनाओं को संपादित करना जो दो से अधिक जनपद पंचायतों में हों।

विशेष प्रयोजनाओं के लिए जनपद पंचायतों द्वारा की गई अनुदान की मांग को राज्य सरकार तक पहुंचाना।

प्रश्न क्रमांक - 12

इण्डिया विजन - 2020 :—

- 'इण्डिया विजन 2020' नामक महत्वपूर्ण दस्तावेज भारतीय योजना आयोग द्वारा जनवरी 2003 में जारी किया गया है।
- यह दस्तावेज आने वाले दो दशकों में भारतीय अर्थ-व्यवस्था की प्रगति का पूर्वकथन करता है।

BSEMF

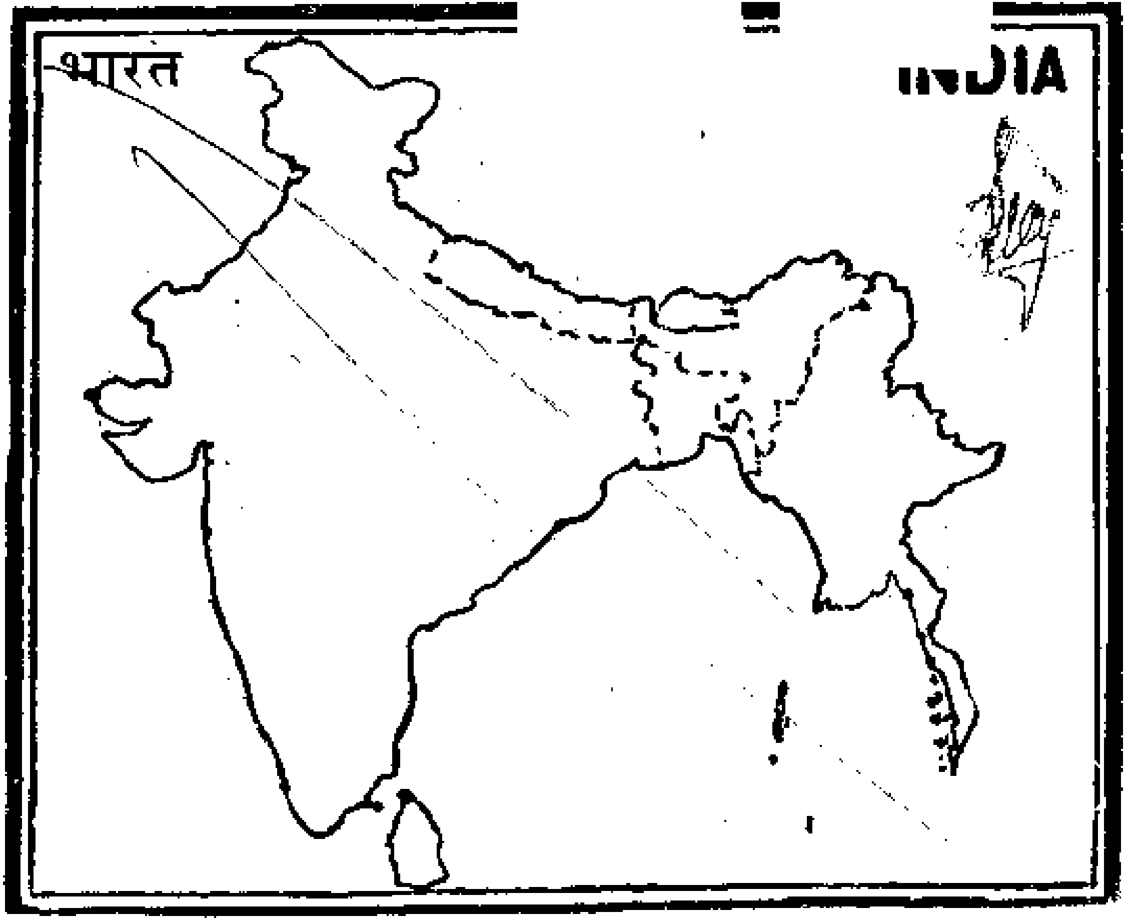
भारत
INDIA

• इसके अनुसार सन् २०२० तक :-

⇒ भारत विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में सम्मिलित हो जाएगा

⇒ भारत से गरीबी, बेरोजगारी, निरक्षरता, कुपोषण पूर्णतः दूर हो जाएगी।

• योजना आयोग का अनुमान है कि २०२० तक भारत की 135 करोड़ जनसंख्या बेहतर पोषित, अच्छे रहन सहन वाली, पूर्णतः स्वस्थ तथा अधिक औसत आयु वाली होगी।

4

BSEMP

प्रश्न क्रमांक - 18

मौसमी दशाएँ →	संकेत
(1) हिम	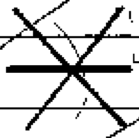
(2) वर्षा	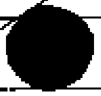
(3) ओला	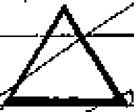
(4) कुहासा	
(5) कुहरा	

5

B
S
E
M
P

प्रश्न क्रमांक - 14

उग्र राष्ट्रवाद के उदय के कारण :-

(1) उदारवादियों की कार्यप्रणाली के प्रति असंतोष :-

⇒ उग्रवादी नेताओं का मानना था कि उदार प्रणाली से भारतीयों को राजनीतिक अधिकार नहीं मिलेंगे, उन्हें अंग्रेजों की न्याय-प्रियता पर विश्वास न था।

⇒ उदारवादियों की याचिकाओं के बाद 'भारत परिषद अधिनियम' स्वीकृत हुआ परन्तु इससे कोई वास्तविक अधिकार नहीं मिले।

(2) ब्रिटिश शासन की प्रतिक्रियावादी एवं आर्थिक नीति :-

⇒ सरकार के आश्वासनों का सही अर्थों में कभी पालन नहीं हुआ। उनकी शोषण, दमन व भेदभाव की नीति चलती रही।

⇒ उनकी आर्थिक नीति ने भारतीय कृषि तथा उद्योग-धंधों को नष्ट कर दिया।

(3) 19 वीं सदी के उत्तरार्ध में धार्मिक सामाजिक सुधार-आंदोलन :-

⇒ इन आंदोलनों ने जनता को अन्याय विरुद्ध सतत संघर्ष के लिए प्रेरित किया तथा स्वाभिमान, बलिदान की भावनाएँ विकसित की।

⇒ समाज की उदासीनता, हीनता, निष्क्रियता पर चोट करते हुए उन्हें राजनीतिक रूप से जाग्रत किया।

(4) प्राकृतिक प्रकोप (दुर्भिक्ष) :-

⇒ 19 वीं सदी के अंत में देश के विभिन्न भागों में अकाल, प्लेग जैसी आपदाएँ प्रभावी रहीं जिसमें हजारों लोग

और सरकार ने इनपर कोई ध्यान नही दिया जिससे जनता असंतुष्ट हुई।

बंगाल विभाजन :—

⇒ सन 1905 मे लार्ड कर्जन ने बंगाल के हिन्दुओं व मुस्लिमो मे फूट डालकर उसे दो भागो मे बाँट दिया।

⇒ इससे आक्रोशित जनता उग्रराष्ट्रवाद की ओर अग्रसर हुई

5

प्रश्न क्रमांक - 15

आजाद हिन्द फौज :- प्रणेता सुभाषचन्द्र बोस

☐ फौज की महत्वाकांक्षी योजना निम्न कारणो से बनाई गई थी :—

⇒ नेताजी सुभाषचंद्र बोस को महात्मा गांधी की अपेक्षा चितरंजन दास का राजनीतिक चिन्तन उचित लगता था।

⇒ वे मातृभूमि को तत्काल ब्रिटिश शासन से मुक्त कराना चाहते थे।

⇒ वे द्वितीय विश्वयुद्ध का लाभ उठाकर अंग्रेजो को उखाड़ फेंकना चाहते थे।

⇒ उन्हे विश्वास था कि दक्षिण-पूर्वी एशिया मे इनकी योजनाएँ मूर्तरूप ले सकती है

☐ फौज का एकमात्र उद्देश्य भारत की आजादी थी। फौज की प्रमुख क्रियाएँ :—

BSEMP

⇒ नेताजी तथा रासबिहारी बोस ने सन 1943 में सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की 'अस्थायी सरकार' गठित की।

⇒ फरवरी 1944 में फौज ने रामू, कोहिमा, तिद्दिम, पलेम आदि स्थानों को अंग्रेजों से मुक्त कराया।

⇒ इंफाल को भी मुक्त कराने हेतु घेर लिया।

□ फौज अपने लक्ष्य नहीं पा सकी क्योंकि :-

⇒ द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी व जापान की स्थिति कमजोर होने लगी और फौज इन्हीं पर आश्रित थी

⇒ रसद - हथियार की कमी व सैनिकों को बंदी बना लिया गया।

□ असफलता के बाद भी फौज का महत्व निम्न के आधार पर आंका जा सकता है :-

⇒ फौज की गतिविधियों ने देश की साम्राज्य विरोधी ताकतों के हाथ मजबूत किए।

⇒ फौज एकता एवं शक्ति की प्रतीक बन गई।

⇒ 'दिल्ली चलो', 'जय हिन्द' जैसे नारों ने नई जन-जागृति ला दी।

⇒ नौ-सेना एवं वायु-सेना को विद्रोह करने की प्रेरणा मिली।

⇒ भारतीय मूल के विदेशी लोगों को भी देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में भाग लेने का मौका मिला।

BSEM

BSEMP

प्रश्न क्रमांक - 16

भारतीय संविधान की विशेषताएँ :-

(1) लिखित एवं विस्तृत संविधान :-
⇒ भारतीय संविधान, एक संविधान सभा द्वारा पूर्णतः लिखित तथा विधिवत निर्मित संविधान है
⇒ विश्व का सबसे बड़ा संविधान है जिसमे 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ तथा 22 भाग हैं।

(2) कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण :-
यह कठोर एवं लचीले दोनो का मिश्रित रूप है क्योंकि
⇒ इसके कुछ प्रावधान संसद के साधारण बहुमत से,
⇒ कुछ विशिष्ट बहुमत से,
⇒ एवं कुछ विशिष्ट बहुमत के साथ-2 आधे राज्यों के अनुसमर्थन द्वारा बदले जा सकते हैं।

(3) संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न :-
⇒ संविधान ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया।
⇒ इसपर किसी विदेशी सत्ता का अधिकार नहीं है तथा अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इच्छानुसार आचरण कर सकता है

(4) समाजवादी तथा पंथ निरपेक्षता :-
⇒ भारतीय व्यवस्था "समाज के समतावादी ढाँचे" पर आधारित है जहाँ प्रत्येक नागरिक की न्यूनतम आवश्यकताएँ पूर्ण की जाती है

⇒ भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य है जहाँ सब अनुसार धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है राज्य धर्म के आधार पर भेद - भाव नहीं करता है

(5) संसदीय शासन प्रणाली :—

⇒ भारत में संसदीय शासन व्यवस्था है जिसमें शासन की वास्तविक शक्तियाँ मंत्रिपरिषद में निहित हैं।

⇒ मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व का पालन करती है।

5

BSEMP

प्रश्न क्रमांक -17

जनसंख्या वृद्धि के कारण :—

(1) सामाजिक कारण :—

⇒ संयुक्त परिवार प्रथा से अधिक बच्चों के पालन पोषण में परेशानी नहीं होती।

⇒ भारतीय समाज परंपरावादी है जहाँ बच्चों के जन्म को ईश्वर की देन माना जाता है।

⇒ बाल विवाह का प्रचलन व स्त्री-दशा का गिरा होना।

⇒ पुरुष प्रधान समाज में पुत्रों के जन्म को महत्वपूर्ण मानते हैं

(2) निर्धनता :—

⇒ निर्धन परिवारों में अधिक बच्चों को कमाई का साधन माना

जाता है।
⇒ कृषक परिवारों के बच्चे कृषि-कार्यों में सहयोग करते हैं। अतः उनके यहाँ अधिक बच्चे होते हैं।

(3) अशिक्षा एवं अज्ञानता :-
⇒ अशिक्षित जनता जनसंख्या वृद्धि की समस्याएँ नहीं समझ पाती अतः इस ओर ध्यान नहीं देती।
⇒ संतान निरोधक विधियों की अज्ञानता एवं अनुपलब्धता के कारण इसका बहुत कम उपयोग होता है।

(4) तेजी से घटती मृत्यु दर :- भारत में मृत्यु-दर में तेजी से कमी हो रही है जबकि जन्म-दर में तुलनात्मक रूप से कमी नहीं हुई है। इसलिए जनसंख्या कम ही नहीं हो रही।

(5) दोषपूर्ण आर्थिक दृष्टिकोण :— लोगों की यह धारणा होती है कि आने वाला बच्चा अपने साथ दो हाथ-पैर भी लाता है, उनके काम में मदद करता है। अतः वे बच्चों को भगवान का वरदान मानकर अधिक संतान उत्पन्न करते हैं।

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M D

प्रश्न क्रमांक - 18

उपभोक्ता के कर्तव्य :—

उपभोक्ताओं का शोषण न हो इसलिए उन्हें कुछ कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए :—

(1) खरीददारी के समय बिल, गारंटी कार्ड, रसीद आदि ध्यानपूर्वक लेना तथा उन्हें सम्हाल कर रखना।

(2) वस्तुओं के उत्पादन एवं उपलब्धता के अनुसार ही उपभोग में कमी या वृद्धि करना।

(3) उपभोक्ता संरक्षक नियमों की जानकारी रखना।

(4) कालाबाजारी, तस्करी को हतोत्साहित करना।

(5) वास्तविक समस्या की शिकायत अवश्य करनी चाहिए, चाहे वस्तु कितने ही कम मूल्य की क्यों न हो, इससे विक्रेताओं की ठगने की प्रवृत्ति हतोत्साहित होती है।

(6) आई. एस. आई., एगमार्क, हालमार्क, वूलमार्क चिन्हों से अंकित अर्थात् मानकीकृत वस्तुएँ ही खरीदना।

(7) वस्तु क्रय करते समय उसकी पूरी जानकारी लेना।

प्रश्न क्रमांक - 19.

पूँजीवाद के दोष :—

(1) आर्थिक विषमता में वृद्धि :— इसका सबसे बड़ा दोष है कि

(17)

योग 17 के अंक

BSEMP

देश की सम्पत्ति कुछ ही लोगों के पास केन्द्रित हो जाती है और अधिकांश लोग गरीब एवं बेरोजगार रह जाते हैं इससे आय एवं धन की विषमता बढ़ती है।

(2) वर्ग - संघर्ष :— श्रमिक वर्ग का शोषण होने के कारण पूंजीपति वर्ग एवं श्रमिक वर्ग मे परस्परिक संघर्ष होने लगते है तथा तालाबंदी, हड़ताल, तोड़फोड़ आदि घटनाएँ उत्पन्न होती हैं।

(3) आर्थिक अस्थायित्व :— पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का संचालन मूल्य तंत्र द्वारा होता है अत: कोई केन्द्रीय नि[illegible] नियोजन तंत्र या सुनियोजित योजना के अभाव मे आर्थि[illegible] अस्थिरता बनी रही रहती है तथा व्यापार चक्र क्रियाशील रहते है

(4) शोषण पर आधारित :— पूँजीपति अपना लाभ बढ़ाने के लिए श्रमिकों को कम मजदूरी व देते हैं, तथा अधिक काम लेते हैं। इससे श्रमिक वर्ग शोषित होता है।

(5) बेरोजगारी :— अधिक उत्पादन एवं आय के लिए उद्योग-पति अपने उद्योगों का मशीनीकरण कर देते हैं जिससे श्रमिकों की माँग मे कमी आती है और बेरोजगारी बढ़ जाती है।

(6) मानवीय कल्याण की उपेक्षा :— पूंजीवाद मे आधिकांश उत्पादन क्रयशक्ति - संपन्न लोगों के लिए ही होता है निर्धन वर्ग की आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। इससे मानवीय कल्याण की उपेक्षा होती है।

5

(18)

प्रश्न क्रमांक - 20

वनों से प्रत्यक्ष लाभ :—

(i) लकड़ी की प्राप्ति :— वनों से ईंधन के लिए लकड़ी प्राप्त होती है। साल, सागौन, शीशम, देवदार, आबनूस आदि से इमारती लकड़ी मिलती है।

(ii) उद्योगों के लिए कच्चा माल :— वनों से वनाधारित उद्योगों हेतु कच्चे पदार्थ मिलते हैं। जैसे :- कागज उद्योग हेतु घास, बांस, सफेद सनोवर, माचिस उद्योग हेतु चीड़, स्प्रूस, सनोवर आदि।

(iii) उत्तम चारागाह :— वन उत्तम प्राकृतिक चारागाह-स्थल हैं। पशुओं को घास-पत्ती मिलती है।

(iv) लघु उद्योगों का विकास :— वनों से प्राप्त लाख, तेंदूपत्ता, बांस-बेंत, शहद, पत्ती आदि से कई लघु-कुटीर उद्योग विकसित हुए हैं।

(v) रोजगार की प्राप्ति :— वनों से प्राप्त कच्चे माल पर चलने वाले उद्योगों में देश के 7.4 करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त है।

(vi) सहायक उपजों की प्राप्ति :— वनों से लाख, गोंद, कत्था, शहद, मोम, औषधि, खाल, चंदन व तारपीन का तेल आदि सहायक उपज भी मिलते हैं जो उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

(vii) सरकार को राजस्व :— वनों से राजस्व व रॉयल्टी के रूप में सरकार को 670 करोड़ रु. प्राप्त होते हैं।

वनो से अप्रत्यक्ष लाभ :—

(i) मृदा अपरदन रोकना :— वनक्षेत्र मिट्टी को बांधकर रखते हैं जिससे उसका कटाव नहीं हो पाता है तथा पोषक पदार्थ बने रहते हैं।

(ii) जलवायु का नियंत्रण :— वन गर्म एवं ठंडी हवाओं के प्रवाह को रोकते हैं जिससे वन क्षेत्र की जलवायु समशीतोष्ण बनी रहती है।

(iii) बाढ़ पर नियंत्रण :— वन बाढ़ के जल का वेग कम करके उसे अवशोषित कर लेते हैं और बाढ़ को भी नियंत्रित करते हैं।

(iv) वर्षा मे सहायक :— वन बादलों को आकर्षित करते हैं और वर्षा कराते हैं।

(v) भूमिगत जल का पुनर्भरण :— वन जल को अवशोषित कर भू-गर्भीय जल भंडारों मे संचित करके रखते हैं।

(vi) भूमि की उर्वरा शक्ति मे वृद्धि :— वृक्षों की पत्तियां गिर कर, सड़गलकर ह्यूमस बनाती हैं जिससे मिट्टी का उपजाऊपन बढ़ता है।

(vii) ऑक्सीजन का संतुलन :— वन हानिकारक CO_2 गैस को ग्रहण कर प्राणदायी ऑक्सीजन गैस छोड़ते हैं। और इस प्रकार गैसों का संतुलन एवं जीव अस्तित्व बनाए रखते हैं।

BSEMP

यो

BSEMP

कश्मीर समस्या :—

कश्मीर समस्या भारत - पाकिस्तान के बीच सबसे उलझी हुई समस्या है। समस्या का विवरण निम्नानुसार है :—

विलीनीकरण के समय स्थिति :—

- रियासतों के विलीनीकरण के समय (सन् 1947 में) कश्मीर शासक हरीसिंह ने कश्मीर के विलय के बारे में तत्काल निर्णय ~~xxx~~ नहीं लिया।
- इनकी दुविधा थी कि :—
  - ⇒ यदि कश्मीर पाकिस्तान में मिलता है तो कश्मीर के हिन्दु व बौद्ध जनता के साथ अन्याय होगा।
  - ⇒ यदि भारत में मिलता है तो मुस्लिमों के साथ अन्याय होगा।

कश्मीर पर कबाइली आक्रमण :—

- 22 अक्टूबर 1947 को कश्मीर पर कब्जा करने हेतु अनेक पाकिस्तानियों एवं कबाइलियों ने कश्मीर पर हमला बोल दिया।
- कश्मीर शासक ने रक्षार्थ भारत सरकार से सहायता माँगी तथा विलय करने की स्वीकृति दी।
- भारतीय सेनाओं ने कश्मीर जाकर स्थिति रोकने का प्रयास किया।
- भारत ने पाकिस्तान से कबाइलियों का मार्ग बंद करने को कहा किन्तु पाकिस्तान स्वयं उनकी मदद कर रहा था।
- तब भारत ने 1948 में पाकिस्तान के विरुद्ध सुरक्षा परिषद्

मे शिकायत की।

□ सुरक्षा परिषद् की पहल :—

- परिषद् मे 5 राष्ट्रो का दल बनाकर उसे स्थिति का अवलोकन करने को कहा।
- दल ने रिपोर्ट दी कि :—
  - ⇒ पाकिस्तानी अपनी सेनाएँ कश्मीर से हटाए से कबाइलियों को भी हटाने का प्रयास करे।
  - ⇒ इसके बाद भारत भी अपनी अधिकांश सेनाएँ हटा ले।
  - ⇒ अंतिम समझौते तक युद्ध विराम रहेगा और भारत कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सेनाएँ ही कश्मीर मे रखेगा।
- एक लंबी वार्ता के बाद सन् 1949 मे 1 जनवरी को दोनो पक्षो ने युद्ध विरम की सहमति दी।

□ जनमत संग्रह के प्रयास :—

- भारतीय प्रधानमंत्री पं० नेहरु जी ने कश्मीर का विलय जनमत संग्रह के आधार पर करने का निर्णय लिया
- इस हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक अमेरीकी प्रशासक नियुक्त किया।
- प्रशासक ने जनमत संग्रह के आधार पर दोनो पक्षो से बात की परन्तु कोई हल नहीं निकला।
- पाकिस्तान ने अधिकृत क्षेत्र को नही छोड़ा व उसे "आजाद कश्मीर" नाम दिया।

□ पाकिस्तान के प्रयास :—

योग पूव ५७

- पाकिस्तान भारत अधिकृत कश्मीर भी हड़पना चाहता था अतः उसने सैन्य शक्ति बढ़ाई।
- अमेरिका से संधि तथा सेण्टो संगठन का सदस्य बनकर अपने पक्ष को मजबूत किया।
- तब भारत ने भी अपनी कश्मीर नीति में परिवर्तन किया जिसे सोवियत संघ ने समर्थन दिया।

कश्मीर का भारत मे विलय :—

- 6 फरवरी 1954 को कश्मीर विधानमण्डल ने भारत मे विलीन होने की स्वीकृति दी।
- मई 14, 1954 को भारतीय संसद ने संविधान मे संशोधन कर अनु० 370 के अंतर्गत कश्मीर को विशेष दर्जा दिया।
- 26 जनवरी 1957 को कश्मीर का संविधान लागू होते ही वह भारत का अभिन्न अंग बन गया।

पाकिस्तान की हठधर्मिता :—

- पाकिस्तान अभी भी कश्मीर मुद्दा उठाकर वहाँ राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न करता है।
- सन् 1962 मे उसने पुनः जनमत संग्रह की मांग की किन्तु सोवियत संघ ने मामले को दबा दिया।
- पाकिस्तानी सरकारें इस मामले को जीवन्त रखने का प्रयास करती है जबकि भारत के लिए यह उसकी अखण्डता एवं सम्मान का प्रश्न है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

23

+ =

पृष्ठ 23 के अंक

कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग